संस्कृत विभाग

DEPARTMENT OF SANSKRIT

कला, संचार एवं भाषा संकाय

SCHOOL OF ARTS, COMMUNICATION AND LANGUAGES

राष्ट्रिय शिक्षा नीति २०२० के अनुरूपः

According to NEP 2020

चतुर्वर्षीयः स्नातक कक्षा के चतुर्थ वर्ष का पाठ्यक्रम

4TH YEAR'S SYLLABUS OF FOUR-YEAR UNDER GRADUATION PROGRAMME

वर्ष २०२६-२०२७ में प्रविष्ट विद्यार्थियों के लिए

For students admitted in 2026-2027

हेमवती नन्दन बहुगुणा गढवाल विश्वविद्यालय

(केन्द्रिय विश्वविद्यालय)

श्रीनगर गढवाल, उत्तराखण्ड

HEMVATI NANDAN BAHUGUNA GARHWAL UNIVERSITY
(A CENTRAL UNIVERSITY)
SRINAGAR (GARHWAL), UTTARAKHAND

COURSE STRUCTURE FOR 4TH YEAR (U.G. HONOURS PROGRAMME)

UNDER NEP–2020

DEPARTMENT OF SANSKRIT (HNBGU)

Course Category	Semester-VII				Semester-VIII		
	CoursTitle	No. of paper	Credits		Subject /Title	No. of paper	Credits
Discipline Specific Core Major (One)	DSC (Major)-XIII	1	4		DSC (Major)- XVII	1	4
	DSC (Major)-XIV	1	4		DSC (Major)-XVIII	1	4
	DSC (Major)-XV	1	4		DSC (Major)-XIX	1	4
	DSC (Major)-XVI	1	4		DSC (Major)-XX	1	4
Discipline Specific Elective [DSE]	DSE (Major) Elective-III	1	4		DSE (Major) Elective-IV	1	4
Minor (One)	(Minor)-VII Or M.D/I.D.(M)-V	1	4		(Minor)-VIII Or M.D/I.D.(M)-VI	1	4
Total		6	24			6	24
NHEQF Level 6.5	Student after successfully completing second year of 2-year PG (i.e., securing minimum 96 credits) will be awarded "Postgraduate Degree" of two years, in related field/discipline/subject.						

Note:

1. In case of Vocational course being offered by the department, the 4 credits may be given entirely to the theory course or distributed between theory and practical as per the requirements.
2. Student will continue with the same minor in the third year (V & VI Semester) as studied in the second year (III & IV semester) of the FYUP.

❖ Community Outreach: The curricular component of 'Community Outreach' will involve activities that would expose students to the socio-economic issues in society so that the theoretical learnings can be supplemented by actual life experiences to generate solutions to real-life problems.

Semester VII

Core Major XIII : वैदिकवाङ्मय एवं उपनिषद्, का इतिहास **(4)**

Core Major XIV : भारतीय दर्शन (तर्कभाषा और सांख्यकारिका) **(4)**

Core Major XV : नाटक और गद्यकाव्य **(4)**

Core Major XVI : व्याकरण **(4)**

Core Major Elective 1II: धर्मशास्त्र **(4)**

Minor-VII: भारतीय संस्कृति और सभ्यता **(4)**

Or

M.D/I.D.(M)-V: गढ़वाल के प्रमुख तीर्थस्थल

Total Papers: 6 **Total Credits: (24)**

Semester VIII

Core Major XVII: वैदिक सूक्त निरुक्त **4)**

Core Major XVIII: भारतीयदर्शन (वेदान्तसार एवं अर्थसङ्ग्रह) **(4)**

Core Major XIX: संस्कृतमहाकाव्य **(4)**

Core Major XX: पुराणेतिहास **(4)**

Core Major Elective IV: गीतायाम् आत्मप्रबन्धनम् **(4)**

Minor- VIII: संस्कृत भाषा और साहित्य **(4)**

(BSKLA-135: Sanskrit Bhasha aur Sahitya) *

Or

M.D/I.D.(M)-VI: भाषाविज्ञान

Total Papers: 6 **Total Credits: (24)**

COURSE STRUCTURE FOR 4TH YEAR (U.G. HONOURS PROGRAMME)

UNDER NEP–2020

DEPARTMENT OF SANSKRIT (HNBGU)

7th Semester
सप्तम सेमेस्टर

Core Major XIII: **CREDITS 04**

प्रथम प्रश्नपत्र– वैदिकवाङ्मय एवं उपनिषद्, का इतिहास **पूर्णाङ्कः ६०**

(क) तैत्तिरीयोपनिषत् ३०

(ख) वैदिक वाङ्मय का इतिहास ३०

सहायका ग्रन्थाः-

1. भगवद्दत्त. **वैदिक वाङ्मय का इतिहास**, नई दिल्लीः प्रणव प्रकाशन. १/२८ पंजाबी बाग.
2. उपाध्याय, बलदेव. **वैदिक साहित्य और संस्कृति**. काशीः शारदा मन्दिर, १९६७.
3. द्विवेदी, कपिलदेव. **संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास**. इलाहाबादः संस्कृत साहित्य संस्थान ३७. कचेहरी मार्ग.
4. Macdonnel, A. A History of Sanskrit Literature. New York: D. Appleton and Company, 1900.
5. Winternitz, M. Geschichte der Indischen Litteratur. Eng. Tran.A History of Indian Literature. Delhi: Moti Lal Banarasidass. 2010.

Core Major XIV: **CREDITS 04**

द्वितीय प्रश्नपत्र- भारतीय दर्शन (तर्कभाषा और सांख्यकारिका) **पूर्णाङ्कः ६०**

(क) केशवमिश्रकृत **तर्कभाषा** प्रामाण्यवादपर्यन्त ३०

(ख) ईश्वरकृष्णकृत **सांख्यकारिका** ३०

सहायक ग्रन्थः-

1. केशवमिश्र, **तर्कभाषा**. हिन्दी अनुवादक और सम्पादक विश्वेश्वरसिद्धान्तशिरोमणि. वाराणसीः चौखम्बा संस्कृत संस्थान, विक्रम संवत्सर २०६२.
2. केशवमिश्र. **तर्कभाषा**. माधुरी हिन्दीव्याख्या सहित. व्याख्याकार और सम्पादक गजानन शास्त्री मुसलगाँवकर. वाराणसीः चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, १९८४.
3. ईश्वरकृष्ण, सांख्यकारिका वाचस्पतिमिश्रकृत सांख्यतत्त्वकौमुदी टीका और सांख्यतत्त्वकौमुदी की विद्वत्तोषिणी व्याख्या युक्त. व्याख्याकार बालराम उदासीन. वाराणसीः भारतीय विद्या भवन. जगत गंज.

4. ईश्वरकृष्ण, **सांख्यकारिका**. वाचस्पतिमिश्रकृत सांख्यतत्त्वकौमुदी टीका और सांख्यतत्त्व - कौमुदी की प्रभा हिन्दी टीका सहित. हिन्दीटीकाकार आद्याप्रसाद मिश्र. इलाहाबादः सत्यप्रकाशन बलरामपुर हाउस. पुनः प्रकाशित. इलाहाबादः प्रेमप्रकाशन, १९६९

Core Major XV: CREDITS 04

तृतीय प्रश्नपत्र- नाटक और गद्यकाव्य **पूर्णाङ्काः ६०**

(क) भवभूतिकृत **उत्तररामचरित** ४५

(ख) बाणभट्टकृत **हर्षचरित** प्रथम उच्छ्वास १५

सहायक ग्रन्थ-

1. भवभूति. **उत्तररामचरित**. व्याख्याकार और सम्पादक डॉ. कपिलदेव द्विवेदी. इलाहाबादः संस्कृत साहित्य संस्थान, १९७४.
2. Bhavabhūti. The **Uttararāmacaritam**. Tran. & Ed. M.R. Kāle. Delhi: Motilal Banarasidass, 2014.
3. बाणभट्ट. **हर्षचरित**. हिन्दीभाषा अनुवादक और सम्पादक जगन्नाथ पाठक. वाराणसी: चौखम्बा विद्या भवन, १९७२.
4. बाणभट्ट. **हर्षचरित**. हिन्दीभाषानुवादक केशवराव मुसलगाँवकर. सम्पादक गजानन शास्त्री मुसलगाँवकर. वाराणसीः चौखम्बा संस्कृत संस्थान, विक्रम संवत्सर २०४९.
5. द्विवेदी, कपिलदेव. **संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास**. इलाहाबादः संस्कृत साहित्य संस्थान.
6. राधावल्लभ. **संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास.** सागरः विश्वविद्यालय प्रकाशन, २००४.
7. पाण्डेय, अमरनाथ. **संस्कृतकविसमीक्षा**. वाराणसीः चौखम्बा ओरिएन्टला, १९७७.
8. Keith, AB. **The Sanskrit Drama**. London: Oxford University Press. Ely House, 1974.

Core Major XVI: CREDITS 04

चतुर्थ प्रश्नपत्र – व्याकरण **पूर्णाङ्काः ६०**

(क) पतञ्जलि. **व्याकरणमहाभाष्य** पस्पशाह्निक १५

(ख) भट्टोजिदीक्षित. **वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी** कारकप्रकरण ३०

(ग) वरदराज. **लघुसिद्धान्तकौमुदी** समासप्रकरण १५

सहायक ग्रन्थः-

1. वरदराज. **लघुसिद्धान्तकौमुदी** प्राज्ञतोषिणी व्याख्याकार और सम्पादक श्रीधरानन्द शास्त्री घिल्डियाल. दिल्लीः मोतीलाल बनारसीदास, १९७७.
2. भट्टोजिदीक्षित. **वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी** वासुदेवदीक्षितकृत बालमनोरमा सहित. सम्पादक गोपालदत्त शास्त्री नेने. वाराणसीः चौखम्बा संस्कृत सीरिज आफिस, २०१०.

3. श्रीनिवासशास्त्री. **एम.ए. संस्कृतव्याकरण**. मेरठः साहित्य भण्डार. सुभाष बाजार, १९७७.
4. पतञ्जलि. **व्याकरणमहाभाष्य**. हिन्दी अनुवादक और विवरणकार चारुदेव शास्त्री. दिल्ली: मोतीलाल बनारसीदास बंगलो मार्ग जवाहर नगर.
5. पतञ्जलि. **व्याकरणमहाभाष्य**. व्याख्याकार और सम्पादक हरिनारायण तिवारी. वाराणसीः चौखम्बा विद्या भवन, २००९.
6. पतञ्जलि. **व्याकरणमहाभाष्य** पस्पशाह्निक. व्याख्याकार और सम्पादक मधुसूदनप्रसादमिश्र. वाराणसीः चौखम्बा विद्या भवन, २०१०.

Core Major Elective III: CREDITS 04

पञ्चम प्रश्नपत्र- धर्मशास्त्र **पूर्णाङ्काः ६०**

(क) **मनुस्मृति पञ्चम**, षष्ठ और सप्तम अध्याय ३०

(ख) **याज्ञवल्क्यस्मृति** द्वितीय व्यवहाराध्याय ३०

सहायका ग्रन्थाः-

1. **मनुस्मृति** कुल्लूकभट्टकृत मन्वर्थमुक्तावली टीका और शिवराज आचार्य कौण्डायन कृत हिन्दी अनुवाद सहित. वाराणसी चौखम्बा विद्याभवन, २००७.
2. **मनुस्मृति**. सम्पादक राजवीर शास्त्री, दिल्ली आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट, १९८५.
3. **याज्ञवल्क्यस्मृति**. विज्ञानेश्वरप्रणीत मिताक्षरा टीकासहित, हिन्दी व्याख्याकार उमेशचन्द्र. वाराणसी चौखम्बा संस्कृत संस्थान, विक्रम संवत्सर २०६५.
4. **याज्ञवल्क्यस्मृति**. टीकाकार और सम्पादक नारायण आचार्य. दिल्ली नाग पब्लिशर्स ११ए/यू०ए० जवाहरनगरम, १९८३.

Minor – VII: CREDITS 04

षष्ठ प्रश्नपत्र – भारतीय संस्कृति और सभ्यता **पूर्णाङ्काः ६०**

(क) संस्कृति एवं सभ्यता की परिभाषा, वैदिक संस्कृति, भारतीय जीवन मूल्य, षोडश संस्कार। 20

(ख) रामायण, महाभारत एवं पुराणों का भारतीय संस्कृति और सभ्यता पर प्रभाव। 20

(ग) वर्णव्यवस्था, आश्रमव्यवस्था, पुरुषार्थ चतुष्टय, प्राचीन भारत में नारियो की स्थिति, प्राचीन भारतीय शिक्षा, प्राचीन भारतीय शिल्प और कला। 20

सहायक ग्रन्थ :-

(१) उपाध्याय, बलदेव . वैदिक साहित्य और संस्कृति, काशी: शारदा मन्दिर, 1967।
(२) गोयल, डॉ. प्रीतिप्रभा. भारतीय संस्कृति, जोधपुर: राजस्थानी ग्रन्थागार, सोजती गेट, 2004।
(३) शास्त्री, डॉ. नरेन्द्रदेव सिंह. 'भारतीय संस्कृति का इतिहास', मेरठ: साहित्य भण्डार, सुभाष बाजार, 1969।
(४) स्वामी दयानन्द. सत्यार्थप्रकाश, परोपकारिणी सभा, अजमेर: वैदिक यंत्रालय, 2002।

OR अथवा

M.D/I.D.(M)-V: **CREDITS 04**

षष्ठ प्रश्नपत्र – गढ़वाल के प्रमुख तीर्थस्थल पूर्णाङ्काः ६०

गढ़वाल के प्रमुख तीर्थस्थल— हरिद्वार, ऋषिकेश, देवप्रयाग, श्रीक्षेत्र (श्रीनगर), पंचबदरी, बदरीनाथ, केदारनाथ, तुंगनाथ, रुद्रनाथ, मध्यमहेश्वर, कल्पेश्वर, गुप्तकाशी, त्रियुगीनारायण, कालिमठ, गोपेश्वर, सूर्यप्रयाग (तिलवाड़ा), कर्णप्रयाग, नन्दा देवी और नन्दा की राजयात्रा, रुद्रप्रयाग, गंगोत्तरी, यमुनोत्तरी, उत्तरकाशी (बाड़ाहाट) और टिहरी।

सहायक ग्रन्थ :

(१) श्रीस्कन्दमहापुराणान्तर्गत केदारखण्ड, रत्नप्रभा भावव्याख्या सहित, व्याख्याकार ब्रजरत्न भट्टाचार्य, प्रकाशक महेशानन्द शर्मा, भक्तिरसामृत कार्यालय, मुम्बई: खेमराज कृष्णदास श्रीवेंकटेश्वर स्टीम प्रेस; पुनः प्रकाशित, नई दिल्ली: मोतीलाल बनारसीदास।

(२) कृष्णकुमार नैथानी, शिवप्रसाद, लक्ष्मीचन्द्र शास्त्री एवं उप्रेती जयदत्त, गढ़वाल के प्रमुख तीर्थ, श्रीनगर: हेमवती नन्दन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय, संस्कृत विभाग, 1981।

(३) नैथानी, शिवप्रसाद – उत्तराखण्ड के तीर्थ एवं मन्दिर, श्रीनगर गढ़वाल: पर्वती प्रकाशन, रमेश भवन, भक्तियाना, 1997।

COURSE STRUCTURE FOR 4TH YEAR (U.G. HONOURS PROGRAMME)

UNDER NEP–2020

DEPARTMENT OF SANSKRIT (HNBGU)

8th Semester
अष्टम सेमेस्टर

Core Major XVII: **CREDITS 04**

प्रथम प्रश्नपत्र- वैदिकसूक्त और निरुक्त पूर्णाङ्काः ६०

(क) ऋग्वेद के सूक्त ४५

इन्द्रसूक्त १/३२, सवितृसूक्त १/३५, उषस्सूक्त १/४८, सूर्यसूक्त १/११५, विश्वामित्र-नदीसंवादसूक्त ३/३३, सोमसूक्त ९/८०, पर्जन्यसूक्त ५/८३, पुरुषसूक्त १०/९०, हिरण्यगर्भसूक्त १०/१२१, वाक्सूक्त १०/१२५, नासदीयसूक्त १०/१२९

माध्यन्दिन शुक्लयजुर्वेद का मन्त्र - योगक्षेम २२/२२

शौनकीय अथर्ववेद का सूक्त राष्ट्राभिवर्धन १/२९

(ख) यास्क. **निरुक्त** प्रथम अध्याय और द्वितीय अध्याय के प्रथम द्वितीय पाद १५

सहायक ग्रन्थ-

(१) चौबे इत्युपाह्वडॉ. ब्रजबिहारीतिकृतम्, **न्यू वेदिक सलेक्शनम् भागद्वयात्मकम्.** वाराणसीः भारतीयविद्याप्रकाशनम्, १९७६.

Chaubey, Dr. Braj Bihari. **The New Vedic Selection Part I &II.** Varanasi: Bharatiya Vidya Prakashan, 1976.

(२) डॉ. कृष्णकुमारसंकलितः **ऋक्सूक्तसुधाकरः**. मेरठम्ः साहित्यभाण्डारं सुभाषबाज़ारः, १९७२.

डॉ. कृष्णकुमार. **ऋक्सूक्तसुधाकर**, मेरठः साहित्य भण्डार, १९७२.

(३) यास्ककृतं **निरुक्तम्**, सम्पादकः उमाशङ्कर ऋषिः वाराणसीः चौखम्बाविद्याभवनम्, २००५.

यास्क. **निरुक्त**. सम्पादक उमाशङ्कर ऋषि वाराणसीः चौखम्बा विद्या भवन, २००५.

(४) यास्ककृतम्, **निरुक्तम्** दुर्गावृत्तिसहितम्, सम्पादकाः परमेश्वरान्द-छज्जूलाल-देवशर्माणः. दिल्ली: मेहरचन्द-लछमनदास-पब्लिकेशन, २००९.

यास्क. **निरुक्त** दुर्गावृत्ति सहित. सम्पादक परमेश्वरान्द, छज्जूलाल और देवशर्मा. दिल्ली: मेहरचन्द लछमनदास पब्लिकेशन, २००९.

Core Major XVIII: **CREDITS 04**

द्वितीय प्रश्नपत्र - भारतीय दर्शन (वेदान्तसार और अर्थसंग्रह) **पूर्णाङ्काः** ६०

(क) सदानन्दयोगीन्द्र. **वेदान्तसार** ३०

(ख) लौगाक्षिभास्कर. **अर्थसङ्ग्रह** ३०

सहायक ग्रन्थ :-

1. सदानन्द. **वेदान्तसार**. व्याख्याकार और सम्पादक गजानन शास्त्री मुसलगाँवकर. वाराणसीः चौखम्बा कृष्णदास

अकादमी. विक्रम संवत्सर २०५८.

2. सदानन्द. **वेदान्तसार**. रामतीर्थकृत विद्वन्मनोरञ्जनी टीका सहित. सम्पादक रामगोविन्द शुक्ल . दिल्लीः भारतीय विद्या प्रकाशन, १९९०.
3. लौगाक्षी, भास्कर. **अर्थसंग्रह** प्रकाशिका हिन्दी व्याख्या सहित. व्याख्याकार और सम्पादक कामेश्वरनाथ मिश्र, वाराणसीः चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, २०१०.

Core Major XIX: CREDITS 04

तृतीय प्रश्नपत्र- संस्कृत महाकाव्य **पूर्णाङ्काः ६०**

(क) माघ. **शिशुपालवध** प्रथमसर्ग ३०

(ख) अश्वघोष, बुद्धचरित प्रथम और द्वितीय सर्ग ३०

सहायका ग्रन्थाः-

1. माघ. **शिशुपालवध**. मल्लिनाथसूरिकृत सर्वङ्कषा टीका सहित खेमराज श्रीकृष्णदास वेङ्कटेश्वर स्टीम् मुद्रणालय,
2. माघ. **शिशुपालवध** मल्लिनाथसूरिकृत सर्वङ्कषा टीका सहित प्रथम सर्ग. व्याख्याकार और सम्पादक डॉ. देवनारायणमिश्र. मेरठः साहित्य भण्डार सुभाषबाज़ार, १९९३.
3. अश्वघोष. **बुद्धचरित** प्रकाशहिन्दीव्याख्या सहित. व्याख्याकार महन्त श्रीरामचन्द्र दास शास्त्री. वाराणसीः चौखम्बा विद्या भवन, १९९५.
4. द्विवेदी, कपिलदेव. **संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास**. इलाहाबादः संस्कृत साहित्य संस्थान ३७. कचेहरी मार्ग.

Core Major XX: CREDITS 04

चतुर्थ प्रश्नपत्र- पुराणेतिहास **पूर्णाङ्काः ६०**

(क) व्यास. **श्रीमद्भागवत** पञ्चम स्कन्ध के प्रथम अध्याय से दसवें अध्याय तक ३०

(ख) वाल्मीकि, **रामायण** सुन्दरकाण्ड के प्रथम सर्ग से पञ्चदश सर्ग तक ३०

सहायक ग्रन्थ :-

1. व्यास. **श्रीमद्भागवतमहापुराण**. गोरखपुरा गीता प्रेस, २०६७.
2. वाल्मीकि. **श्रीमद्वाल्मीकीयरामायण**. गोरखपुरा गीता प्रेस, विक्रम संवत्सर २०५६.
3. वाल्मीकि. **श्रीमद्वाल्मीकीयरामायण**. सम्पादकमण्डल जी ए भट्ट. पी एल वैद्य. डी आर मनकण्ड इत्यादि. बड़ौदा.
4. उपाध्याय, बलदेव. **पुराण-विमर्श**. वाराणसी। चौखम्बा विद्या भवन, १९७८.
5. त्रिपाठी, कृष्णमणि. **पुराणपर्यालोचन** समीक्षात्मक भाग. वाराणसी चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, १९७५
6. त्रिपाठी, कृष्णमणि. पुराणपर्यालोचन गवेषणात्मक भाग. वाराणसी चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, १९७६.
7. द्विवेदी, कपिलदेव. **संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास**. इलाहाबाद संस्कृत साहित्य संस्थान ३७. कचेहरी मार्ग.
8. कामिलबुल्के. **रामकथाः उत्पत्ति और विकास**. प्रयाग विश्वविद्यालया हिन्दी परिषद्, १९९७.

Core Major Elective IV: CREDITS 04

पञ्चम प्रश्नपत्र- गीता में आत्मप्रबधन **पूर्णाङ्काः ६०**

(क)	मन तथा बुद्धि का स्वरूप	१०
(ख)	मानसिक द्वन्द्व तथा उनके कारण	१०
(ग)	मन की चञ्चलता, नियन्त्रण और मन का संयमन	१०
(घ)	चेतन और परमात्मा के मध्य सम्बन्ध और उसकी भक्ति	१०
(ङ)	योगसिद्धि में साधक एवं बाधक तत्व	१०
(च)	आत्मप्रबन्धन का फल	१०

सहायका ग्रन्थाः-

1. **श्रीमद्भगवद्गीता** शाङ्करभाष्य सहित, अनुवादक हरिकृष्णदास गोयन्दका, गोरखपुर, गीता प्रेस, संवत २०४९.
2. **श्रीमद्भगवद्गीता** शाङ्करभाष्य सहित, दिल्ली, मोतीलाल बनारसीदास, २००४.
3. व्याख्याकारः मदनमोहनः अग्रवालः, वाराणसी, चौखम्बासंस्कृतप्रतिष्ठानम्, १९९४.
4. **श्रीमद्भगवद्गीता** मधुसूदनसरस्वती कृत गूढार्थदीपिका संस्कृत टीका तथा प्रतिभा भाष्य हिन्दी व्याख्या सहित, व्याख्याकार मदन मोहन अग्रवाल, वाराणसी, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, १९९४.
5. तिलक, बालगंगाधर, **श्रीमद्भगवद्गीता** रहस्य और कर्मयोगशास्त्र दिल्ली, राजपाल एण्ड सन्स, १९६९.
6. कुमार, डॉ विनोद, **गीता** में आत्मप्रबन्धन, दिल्ली, परिमल पब्लिकेशन्स, २०१२.

Minor – VIII CREDITS 04

षष्ठ प्रश्नपत्र – संस्कृत भाषा और साहित्य **पूर्णाङ्काः ६०**

(BSKLA-135: Sanskrit Bhasha aur Sahitya)
Swayam Course: 135
https://onlinecourses.swayam2.ac.in/nou25_lg20/

अथवा

M.D./I.D (M) – VI CREDITS 04

षष्ठ प्रश्नपत्र – भाषाविज्ञानम् **पूर्णाङ्काः ६०**

(क) **भाषा** – भाषा का व्यापक अर्थ, भाषाविज्ञान की दृष्टि से भाषा का अर्थ, भाषा का लक्षण, भाषा की प्रकृति, भाषा परिवर्तन के कारण, भाषा के विविध भेद यथा– भाषा, विभाषा, बोली। भाषा की उत्पत्ति से संबंधित विभिन्न मत। भाषाओं का वर्गीकरण। वर्गीकरण के आधार, आकृतिमूलक और पारिवारिक वर्गीकरण, भारोपीय भाषा परिवार का सामान्य परिचय, भारोपीय भाषा परिवार के अंतर्गत आर्य परिवार का सामान्य परिचय, भारोपीय भाषा परिवार के अंतर्गत आर्य परिवार की भाषाओं का विशेष अध्ययन, अवेस्ता और संस्कृत की तुलना, वैदिक संस्कृत और लौकिक संस्कृत की तुलना, भारतीय आर्य भाषाओं का वैदिक संस्कृत से अपभ्रंश तक का विकास। भाषाविज्ञान का लक्षण, भाषाविज्ञान का विविध शास्त्रों से संबंध, भाषाविज्ञान के अध्ययन के

क्षेत्र। भाषाविज्ञान में भाषाओं के अध्ययन की पद्धतियाँ यथा– समकालिक (वर्णनात्मक और संरचनात्मक भेद सहित), ऐतिहासिक, तुलनात्मक और प्रायोगिक। ३०

(ख) **ध्वनिविज्ञान** – ध्वनि का लक्षण, ध्वनिग्राम, मानवीय वाग्यंत्र के आधार पर ध्वनियों के उच्चारण स्थान और प्रयत्न, स्वर और व्यंजन, संस्कृत ध्वनियों का उच्चारण स्थान और प्रयत्न के आधार पर वर्गीकरण, ध्वनि परिवर्तन की दिशाएँ और कारण। ध्वनि परिवर्तन से संबंधित ध्वनि नियम यथा– ग्रिम नियम, ग्रासमान नियम और वर्नर नियम।

१५

(ग) **अर्थविज्ञान** – अर्थबोध के साधन, अर्थ परिवर्तन के कारण और दिशाएँ। १५

सहायक ग्रन्थ :–

1. कर्णसिंह – भाषाविज्ञान, मेरठ: साहित्य भण्डार, सुभाष बाजार।
   तिवारी, भोलानाथ – भाषाविज्ञान, इलाहाबाद: किताब महल।
2. कपिलदेव – भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र, वाराणसी: विश्वविद्यालय प्रकाशन, 2012।
   Gune, P.D. – An Introduction to Comparative Philology, दिल्ली: चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, 2005।
3. Bloomfield, Leonard – Language, न्यूयॉर्क: Holt, Rinehart and Winston, 1933।